

सुई लगाने की सुरक्षित विधियाँ

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा दी गयी परिभाषा

‘सुरक्षित विधि वह है जिससे सुई लगवाने वाले को कोई हानि नहीं होती, लगाने वाले को कोई खतरा नहीं होता तथा प्रयुक्त सामग्री से समुदाय के लोगों को भी कोई हानि नहीं होती’

सुई लगाने की सुरक्षित विधि के लाभ:

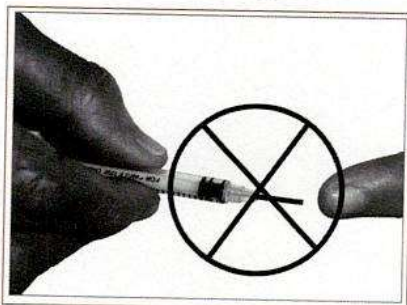
स्वीकृत तकनीक के अनुसार लगायी गयी सुई से:

- रक्त में मौजूद वायरस फैलने का खतरा बहुत कम होता है क्योंकि विसंक्रमित सिरिज तथा सुई का प्रयोग किया जाता है।
- सुई लगवाने वाले व्यक्ति को सुई लगने के स्थानपर चोट, संक्रमण अथवा इतर प्रभाव का खतरा बहुत कम होता है।
- सुई लगाने वाले को भी खतरा बहुत कम होता है।
- इससे समुदाय के लोगों को भी किसी प्रकार के खतरे की संभावना नहीं होती।

वस्तुएं	थैलियां/ डिब्बे	सावधानियां
टूटे हुए एम्पूल तथा बोतलें	पारदर्शी मजबूत प्लास्टिक का डिब्बा (काला)	इन डिब्बों/ थैलियों को सील बंद करके प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाना चाहिए जहाँ पर उन्हें नष्ट किया जाना है
प्रयुक्त सिरिज तथा सुईयाँ	पारदर्शी प्लास्टिक का एक अन्य डिब्बा	
प्रयुक्त रुई के फोहे	पीले रंग की थैली	

सुई से होने वाले आघात से बचने के उपाय:

- सुई लगाने के बाद उस पर दोबारा ढक्कन न लगायें।
- सुई को मोड़ें नहीं।
- प्रयुक्त सिरिज कि सुई हाथ से न निकालें।



यह सब करना असुरक्षित है। इससे स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को चोट पहुंच सकती है जिसमें संक्रमण हो सकता है तथा रक्त में पाये जाने वाले वायरस का संक्रमण भी हो सकता है।